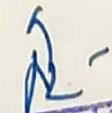


28/1/21

पुनर्जागरण अधिनियम के तहत वादी का कथन है कि वादीगण द्वारा वादा गया अनुतोष प्राप्त हो चुका तथा अतः प्रकरण में वादीगण कोई कार्यवाही नहीं चाहते हैं लेकिन हाल शासक रिकार्ड जमाबन्दी में स्थगन आदेश का अंकित नोट लगा हुआ उसे दृश्य जावे। परोक्षर सरकार का कथन है कि वादी अपने वारं पर आगे कोई कार्यवाही नहीं चाहता तथा हाल जमाबन्दी में स्थगन आदेश के नोट को दृश्य पर तदानीकर को कोई आपत्ति नहीं है चूंकि वादी अपने वारं में कोई अनुतोष वर्तमान में नहीं चाहता है अतः तदनुसार को आदेश दिया जाता है कि हाल शासक रिकार्ड में स्थगन आदेश नोट के अंकन को दृश्य जावे। चूंकि वारं में कोई अनुतोष वर्तमान में नहीं चाहता है अतः वादी का वारं खारिज किया जाता है परन्तु न्याय के लिये जोरदार लक्ष्मी दायित्व दफ्तर हो


 प्रो. व. ल. ल.

(सुभाष चण्ड) 

सहायक कलक्टर
 अलवर